

عصمة دم المسلم في الفقه الإسلامي

إعداد

أحلام محمد أحمد عدوي

المشرف

الدكتورة جميلة عبد القادر الرفاعي

قدمت هذه الرسالة استكمالاً لمتطلبات الحصول على درجة الماجستير في

الفقه وأصوله

كلية الدراسات العليا

الجامعة الأردنية

تعتمد كلية الدراسات العليا
هذه النسخة من الرسالة
التوقيع... التاريخ... ٥/٥/٢٠٠٧

أيار، ٢٠٠٧م

قرار لجنة المناقشة

نوقشت هذه الرسالة " عصمة دم المسلم في الفقه الإسلامي "

وأجيزت بتاريخ: ١٧ / ٥ / ٢٠٠٧م

التوقيع

أعضاء لجنة المناقشة



مشرفاً

الدكتورة جميلة عبد القادر الرفاعي

أستاذ مساعد، الفقه وأصوله



عضواً

الدكتور ذياب عبد الكريم عقل

أستاذ مشارك، فقه مقارن



عضواً

الدكتور محمد عواد السكر

أستاذ مساعد، الفقه وأصوله



عضواً

الدكتور جبر محمود فضيلان

أستاذ، الفقه المقارن، جامعة الزرقاء الأهلية

تعتمد كلية الدراسات العليا
هذه العصمة من الرسالة
التوقيع بتاريخ: ١٧/٥/٢٠٠٧م

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



{ }

":

" () .

() .

()

الإهداء

إلى نبعي الحب والحنان والتضحية والإيثام، إلى اللذين أمرت أن أدعولهما بقوله تعالى:

﴿وَقُلْ رَبِّ ارْحَمْهُمَا كَمَا رَبَّيَانِي صَغِيرًا﴾ { : }

والدَيَّ العزيرين الغالين حفظهما الله ومرعاهما

إلى إخواني وأخواتي، حباً واعتزازاً وأملاً، أدامهم الله لي دعماً وسنداً

إلى من علمني حرفاً، فأنرددت به علماً، أساتذتي الكرام

أهدي ثمرة جهدي هذا، مع وافر الحب والتقدير، مراجعة من المولى عز وجل بقوله

بِقَبُولِ حَسَنٍ

 :

 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :
 :

	:
	
	
	
	:
	:
	...	:
	:
	:
	:
	:
	:
	:
	:
	:
	
	
	
	
	
	
	
	
	
	
	
	

مُقَدِّمَةٌ

:

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

(

)

:

.

•
•
•
•

()

()

()

:

()

/

()

()

/

)

(/)

(

○

○

○

○

:
:

()

()

()

()

()

" : ()

()" .

" : ()

() ()

/

()

()

/

()

)

/

(

)

/

(

)

(

)

(

)

/

(

)

(

)

(

)

(

)

١٠

()"

()"

()

:

:

:

:

:

:

" :

()"

:

()

:

()

:

=

()

/

/

()

()

()

)

()

:

()

()

/

()

()

()

/

/

(

/

()

()

:

:

:

:

()

:()

:

:

()

()

:

()

⌋ :

{ : }⌋

()

:

:

()

:

()

()

:

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

) :

{ : } (

()

:

()

{ : } () :

" : "

()

()

()"

()

:

()

()

... () ()

()

: ()

() / : ()

() : ()

: ()

() / ()

()

()

: ()

:

()

" :
"

()"

()

:()

:

:

:

)

.()

()

(

()

:"

)

.()

/

()

.()

: ()

: ()

()

:()

:

:

:

()

()

()

: ()

()

: ()

:

:

) : ()

.{ : } (

:

) : ()

.{ : } (

:

{ : } () :

()

:

:

: () : ()

()

-
- : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()

/

":

- -

()"

()"

" : ()

()"

" : ()

()

:

:

:

:

:

: }{(

):

{ : }{(

): : {

○

○

○

○

○

○

)

:

:

:

()

:

()

:

()

() ()

:

()

:

:

.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()

()

:

(

)

()

()

()

()

" :

" ; ()

()"

" ; ()

()"

()"

()

:

:

:

()

()

()

/

/

()

()

/

/

()

()

/

/

٢٠

:

.

:

:

:

:

()

:

:

()

:

:

()

:

:

()

()

..... : ()
..... : ()
..... : ()
..... : ()
..... : ()
..... : ()

:

:

()

:

()

) : ()

" : { : } (

()"

/

/

)

()

/

_____ : ()

()

: ()

()

(

﴿ :

{ : }﴿

() .

:

()"

" : ﴿﴾

() .

" :

()

()"

() .

:

())

. ()) _____ ()

())

. ()) / ()

. ()) /

: ()

: ()

: ()

())

. ())

()

() : ﴿ ﴾ : () ﴿ ﴾
()
()

:

﴿ ﴾

﴾

: () { : } ﴿ ﴾

” : ﴿ ﴾ “
() “ ”
”

()

()
() : () / () : ()
() : () : ()
() : () : ()
() : () : ()
() : () : ()
() : () : ()
() : () : ()
() : () : ()
() : () : ()

⌋ :
{ : }

()

:

:

()

" : "

⌋

()"

()

()

" : "

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

⌋

()

/

)

()

(

/

() .

() .

" : ﷺ

()"

" :

()" .

ﷺ

ﷺ

" : ﷺ

()" .

:

" :

()" .

" :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

/

()

()

()

()

/

/

()

)

()

/

(

()"

:

) :

{ : } (

{ : } () :

" :

()"

:()

()

) :

()

()

()

()

: }⌘

{

()

()"

" :

()

.

-

-

{ : }⌘

) :

()

:

()

:

()

()

_____ : ()

/ : ()

: ()

: ()

: ()

()

" :

:

()

:

:

()

:

()



()

()

()

()

)

/

(

()

(/)

()

)

()

/

.

)

(

)

()

/

()

(

)

(

)

(

)

٣٠

()

:

()

" :
: "

:

()

:

()

:

" :

()

()

(/)

()

()

()

(/)

()

:()

:

()

:

:

:

()

:

()

()

:

)

/

()

(

)

()

()

()

()

/

()

: ()

: ()

:

()

" :

: ()"

()

» :

{ : } ()

()

()"

" : ()"

:

() ()

:

()

()

(

()

: ()

()

() ()

(

()

(

()

() ()

= ()

{ : } () : .
 () .

() .

() .

()

:
() .

()

() / =
 / ()
 () / ()
 / () () / ()
 () () / ()
 / () () ()
 () () () ()
 () () () ()

-

()

:

()

" :
"

()"

()

:

:

-

()

()"

" :
"

:

()"

" :
"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

"

:

()

()

"

()"

()

:

()" .

" : .

:

()" .

" : .

:

" "

() .

:

:()

()

()

()

() () /

() .

/

()

/ ()

() .

()

()

() .

/

() -

()

()

/

()

() .

:
 :
 :
 :

:
 :
 :
 :

() () ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

: :

:()

:()

:

"

"

:()

/ ()

/

_____ : ()

()

: ()

()

(/) ()

(/)

·
·
·
·

:

:

()

()

()

()

(

):

الكلمة

()

{ : }

.

:

:

" :

()"

()

:

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

()

()

:

()

:

()

:

()

:

" :

()" :

" :

()

" :

()" :

)

(

(

(

(

(

)

()

(

(

(

(

)

/

(

/

(

/

(

/

" :

()"

" :

()"

" :

()"

" "

:

"....

" :

" "

.

" :

" "

:

" "

"....

.

:

" "

" "

:

/

()

()

/

()

" " :

" " :

" " :

" " :

:

:

" " :

" "

:

.

:

:

.

:

.

:

.

:

()

:

" :

()"

" :

()"

:

()

.

()

:

)

/

_____ ()

()

()

()

()

: ()

() "

" :

() "

" :

:

" :

() "

:

() .

:

:

() .

:

() "



" :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

" :

()"

" :

()"

" :

()"

()"

" :

" :

()"

" :

()"

_____ : ()

)

/

(

.(/)

(

)

)

.(/)

/

(

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:"

- -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () :

()

()

:

.

:

()

:

()

:

() /

:

()

()

()

()

()

: ()

: ()

:

()

()

ﷺ

:

:

" :

ﷺ

:"

ﷺ

()

:

:

()

ﷺ

()

()

()

:

() () ()

()

()

:

()

) (/) _____ ()

()

() () ()

(/) ()

()

()

()

() () () ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

:

:

:

:

:

()

()

:

:

:

:

()

()

:

{ : } (

) : .

:

()

" :
عالمه :
عالمه :

()"

/ ()

()

()

()

()

/

() ()

()

()

() ()

()

() () ()

()

:

:

:

« : »

()»

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

()

/ ()

()

: ()

()

()

:

٤٤٤

()

()

:

(

) :

{ : }

:

()

{ : } () :

:

()

{ : } () :

{ : } () :

{ : } () :

{ : } () :

:

: ()

()

: ()

: ()

()

... " : ...

() " ...

:

()

()

:

()

-
- : ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - : ()
 - : ()
 - /

.

.

:

()

() .

:

() .

:

:

() .

())

:

:

()

/

()

/ ()

() /

()

)

()

()

/

(

()

:

:

()

()

:

()

:

()

" "

()

:

()

()

()

()

:

()

:

()

/

()

()

()

()

:

() .

:

() .

:

:

() .

() .

:

() .

:

:

()

()

() .

()

()

()

()

()

: ()

()

: ()

:

عليه السلام

()

" .

:

عليه السلام

عليه السلام

()"

(

)

... " :

.

()" ...

عليه السلام

" :

.

()"

عليه السلام

:

:

()

/

()

()

()

(

)

()

/

()

()

/

()

()

/

()

" : : "

()

()"

:

()

()"

" : : "

:

()

:

:

:

()

()

: ()

/

/

()

: ()

:

(...)

()

()

()

()

()

:

:

:

: ()
: ()
: ()

•

()

() .

:

() .

:

ﷺ

:

() .

ﷺ

:

() .

() ﷺ

:

() .

() :

:

()

()

()

()

() ()

() .()

/

() .

()

()

()

() ﷺ .()

: ﷺ /

() .

()

()

:

() .

:

:

() .

()

()

() .

() .

:

:

ﷺ

: () ﷺ

:

ﷺ

() .

ﷺ

:

() " ..

" : ﷺ

:

:

() .

)

() /

()

()

()

()

()

: ()

()

()

:

ﷺ

()

)

(

()

()

()

:

()

" : ﷺ

:

" :

ﷺ

:

()

:()

:

:

:

()

_____ ()

()

()

()

:

:

()

} {

} :

} :

()

{

:

} :

()

{

:

} {

{

:

} {

()

*

()"

" :

()"

" :

()"

" :

" :

()

()

()

()

* الإيمان عند المرجئة: هو التصديق بالقلب، وعند الجهمية: هو المعرفة بالله بالعقل والمعرفة بالرسول بالوحي، وعند الأشاعرة: هو عقد بالقلب، أنظر: موجز دائرة المعارف الإسلامية، مركز الشارقة للإبداع الفكري، ج٤، ص١١٥٣، ١١٥٤.

()

)

()

()

(

()

()

()

" :

" :

()

الله

:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

()

()

المادة

:

:

" المادة

" ()

:

المادة

()

المادة

:

المادة

" ()

" : المادة

المادة

:

:

()

()

()

() .

المادة

()

ﷺ

:

:

ﷺ

:

"

"

()

ﷺ

:

()

:

()

:

:

()"

"

":

"

ﷺ

()

()

()

: ()

: ()

()

()

()

()

٧٠

« : »

()»

«

:

() .

« ...

»

«

«

:

() .

()

()

() .

:

« : »

. ()

()

:

()

()

()

()

/

()

()

» :

() /

(: { : })

()"

:

()

()

:

()

()

:

" : ﷺ

()"

()

:

: "

:

ﷺ

:

:

:

()" ...

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

المنارة

المنارة

المنارة

:

"

"

:

()"

:

المنارة

المنارة

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

ﷺ

:

:

" :

ﷺ

() .

: "

ﷺ

.

:

.

:

.

:

() .

:

.

:

()

()

()

()

()

()

()

()

/

()

﴿

()

﴾

()

﴾

()

()

()

:

{ : } ﴿

()

_____ ()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

" : ﷺ

()"

()

ﷺ

:

()

()"

" : ﷺ

ﷺ

:

()

()"

" : ﷺ

:

()

()"

" : ﷺ

:

()

()

-
- : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()
 - : ()

()

()

()

:
() ()

:

" :
"

() ".....

:

() .

:()

.

.

:

:

:

:

:

:

()

()

/

()

.()

()

()

()

:

:

:

:

() ()

:

()

()

() ()

:

:

﴿

﴾ : ()

() " : ﴿ } : ﴿ ﴾

()

()

(

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

:

()

()

()

" :

()

:()

{ : } (

) : .

()

:

) : .

) (

{ :

:

()

:"

:"

"

:"

()

()

:"

:

: ()

.()

()

: ()

: ()

: ()

(())

: ()

: / ()

" :
()"

:

()

()"

" :
()"

:

()

" :

()"

:

" :
()"

()"

" :

()"

()

:

()

()

: ()

: ()

()

: ()

: ()

()

: ()

() ()

()

/

()

() () () () () ()

()

:

"

:

:

()

:

()

()

:

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

/

()

()

()

()

:
 ()
 :
 { : } ()
 ()
 :
 () :
 ! " :
 ()"
 :
 ()
 :

 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

:

} (

) :

{ :

()

:

()

()

_____ ()

() () ()

:

()

" " .

:

:

" .
()"

.

:

() .

) :

{ }

{ }

{ - : } (

:

.

() .

()

()

: ()

: ()

" : : "

()

" : "

()

() ()

•
•

•
•

:

:

.

:

()

:

:

:

(

) :

()

{ : }

) : { : }

: ()

()

() " : ()
() ()"

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

⌋ :

{ : }⌋

:

()

:

:

:

:

:

:

:

:

:

_____ ()

:

()"

" : ﷺ .

ﷺ

:

() .

()"

" : ﷺ .

:

()

:

" : ﷺ .

()"

:

() .

() .

()

. ()

()

: ()

()

()

(:) ()

. ()

/

()

: ()

()

: ()

()

: ()

()

() .

:

() .

:

:

" :

ﷺ .

() " .

ﷺ .

"

! " :

ﷺ

() " ()

" :

ﷺ .

() .

ﷺ

()

()

()

()

()

()

()

()"

" : ﷺ

" :

ﷺ

()"

:

()

()

()

()

:

()

:

()"

" : ﷺ

() :

()

:

" : ﷺ

()"

:

: ()

()

.()

()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

": " 

()"

" 

()"

:

()

()"

":

()



()

()

:

"

"

:

()

()

/

(

)

:

()

)

()

/

()

()

.()

()

.()

()

()

()

ﷺ

:

ﷺ

()

ﷺ

:

:

()

()

:

()

ﷺ

ﷺ

:

:

()

:

:

" ﷺ :

"

" :

()

" ...

...

() "

" ﷺ :

()

()

()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

()

() ()

:

()

« : ﷺ

ﷺ :

()

ﷺ

: :

()

:

()

() () ()

:

()

()

()

()

()

()

()

: ()

:

{ : } (

) :

:

() .

"

()"

"

:

:

:

:

:

() .

:

:

"

"

:

() .

:

()

()

()

()

:()

()

.()

()

()

()

:

()

:

()

:

()

()

:

المنارة

:

.

()

()

()

()

()

﴿

:

: "

" : ﴿

" :

()"

:

() .

﴿

:

" :

" : ﴿

"

" :

()"

() .

:

() .

()

:

:

﴿ :

{ : } ﴿

:

() .

:

} ﴿

﴿ :

{

()

: ()

()

: ()

()

()

: ()

:
()

:

()

()

:

()

:

:

) : ()

{ : }

" :

:

()"

" :

﴿

﴾

()

()

-
- : ()
 - ()
 - : ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

١٠٠

: :

:

()

()

()

()

:

()

()

()

()

:

(.)

(.)

:

(.)

:

(.)

:

(.)

:

(.)

:

:

:

:(.)

:

:

:

.

()

()

()

()

()

()

()

:
:
:
:
:

()

:

:

()

المنارة

()"

:

:

()

()

()

()

()

:

(

) :

()

) :

()

{ : }

{ : } (

{ : } (

) :

()

()

:

()

:

()

:

()

:

:

:

•

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

•

•

()

()

()

()

()

()

()"

"

()

()



() ()

" :

"

()

()"

" :

()"

() ()

()

"

()



()

()

()

()

()

()

" :

"

{ : }

" :

()

()

()

)

()

()

()

()

()

()

()

()
 ()
 () ()

()

:

:

": ﷺ

:

()"

()

:

" : ﷺ

:

()"

:

()

ﷺ

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() " "

"

()"

"

()

"

:"

:

()"

"

()

:

:

"

:

:

:

"

:

:

:

()"

:"

:

"

:

()

_____ : ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

:

" ()

:

:

ﷺ

() " : ﷺ

ﷺ

:

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

()

()

()

:

()

()

()

()

()

:

()

:

()

:

()

()

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

»:

{ : }«

()

()

() ()

() :

()

:

" :

()" .

)

(/)

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

" "

()

" "

"

: :

: ()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

" "

" :
: "

()"

()

:

:

:

()

()

()

:

:

" :
: "

:

()"

()
()

)

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

:

() .

() " ..

" :

ﷺ

:

:

() .

:

() .

()

:

﴾ :

}﴿

{ :

() .

:

" : ﷺ

:

() " .

() .

()

:

. ()

_____ : ()

()

()

()

()

()

: ()

()

: ()

: ()

:

()

:

•

:

() ()

()

() ()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

﴿ ﴾ :

()

()

:

()

:

()

":

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

):

{ : } (

-
- ()
 - ()
 - ()

()

()

()

:

:

()

()

()

/

:

(.)

.

(.)

:

(.)

:

:

(.)

:

(.)

:

(.)

:

:

:

:

(.)

(.)

(.)

(.)

(.)

(.)

:

:

:

:

()

:

*

:

» :

}«

{ :

:

()

()

» :

()»

()

* فلو كان الخروج بغير تأويل سائغ، لما كانت حراية، إنما كانت تطرفاً.

() :

() :

() :

() .

« : ﷺ .

()»

« : ﷺ .

()»

:

() .

ﷺ

() ﷺ

() .

()

()

:

:

:

() .

:

() .

() .

()

()

:

()

()

ﷺ

()

:

()

()

:

()

﴿

:

﴾

:

﴾ :

{ : }﴿

﴾

:

﴾ ()

:

﴾ () ()

:

{ : }﴿

﴾ : .

-
- ﴾
 - ﴾
 - ﴾
 - ﴾
 - ﴾
 - ﴾
 - ﴾
 - ﴾
 - ﴾

:

()

()

" : ﷺ "

() "

()

:

()

:

ﷺ

() "

"

ﷺ

ﷺ

ﷺ

()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

:

()

{ : } () :

{ : } () :

()

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

(.)

:

:

:

:

:

:

{ : } (...) :

() :

{ : } (...) :

() :

:

()

()

()

()

()

:

(.)

:

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

:

:

:

:

()

()

()

()

()

()

()

" :

()"

⌋ :

{ : }⌋

⌋ :

⌋

{ }

{ : }

:

()

_____ ()

()

()

()

()

” :

()”

:

” : ﷺ .

()” .

” : ﷺ .

()” .

()” ...

... ” : ﷺ .

()” .

” : ﷺ .

()



” : ﷺ

/

()

()

()

()

: ()

: ()

()

() .

()

()

()"

()

()"

"

:

:

()

()

()

()

()

:

()

()

()

•

()

()

()

:

()

)

()

(

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () ()

()

:

:

()

()

:

{ : } ()

) : .

{ : } ()

) : .

:

()

() " ...

... " : ﷺ

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() " : " : .

() : .

: .

()

() () ()

:

: .

{ : } (

:

(

)

()

" : .

() " .

:

() .

: ()

()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

" : ﷺ .

()

()

:

ﷺ

() .

:

:

() .

" ...

" : ﷺ :

() "

" : ﷺ

:

:

﴾

﴿

﴾ :

()

()

()

()

()

()

()

(

)

/



" : ()

() .

ﷺ

:

:

:

() .

:

() .

() .

:

.

:

:

:

()"

" :

ﷺ

:

()

()

()

()

()

()

() .
:
() () ()

:

⤵ :

{ }

{ : } (...)

:

() .

()" .

" : ⤵

()" .

" : ⤵

:

() .

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

: ()

: ()

()

()

" : ()

()"

:

"

"

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

•

()

•

()

:

:

()

:

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

}⌘ :
 : }⌘ : { :
 {
 .() :
 () :

}⌘ :
 { :
 :

()

()

: ()
 ()
 ()
 ()

()

﴿ :

()

{ : } ﴿

:

:

()

()

:

()

()

()

www.noo-problems.com : // ()

www.islamonline.net : // ()

()

/

()

:

:

()

:

()

﴿ :

" : { : } ﴿

()"

" :

www.um-elfahem.net : ()

//

<http://www.passia.org/meetings/Mousa-Al-Basit-.htm> : ()

www.alwaei.com : //

//

<http://www.passia.org/meetings/Mousa-Al-Basit-.htm> : ()

//

()

()"

" :

()"

:"

()"

" :

()

()"

()

()

()

⌋

⌋:

{ : }

()

.()

.()

<http://www.passia.org/meetings//Mousa-Al-Basit-.htm>

//

//

www.alwaei.com :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

"

:

:

www.alwaei.com :

()

//

()

www.alwaei.com :

()

//

()

()

www.alwaei.com :

()

//

()

//

www.alwaei.com :

()

":

()"

" : ﷺ ()

()"

()

()

:

:

()

<http://www.passia.org/meetings//Mousa-Al-Basit-.htm> :

()

//

()

()

www.alwaci.com :

()

<http://www.passia.org/meetings//Mousa-Al-Basit-.htm> :

//

//

()

()

:

:

(.)

(.)

(.)

(.)

(.)

:

:

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()

()

()

()

()

":

ﷺ

":

.

()"

":

:

":

".

()"

()

" ﷺ

()"

()

ﷺ

:

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

:

()

: ﴿١٤٦﴾

() ﴿١٤٦﴾ :

:

()

" : ﴿١٤٦﴾

() { } ﴿١٤٦﴾

:

()

() () ()

:

()

:

() _____ ()

: ()

() () / () ()

: ()

()

()

()

()

() () ()

" : ﷺ

()"

()

" : ﷺ

()"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

﴿

﴾ :

{ : }

:

() .

﴾ :

{ : } ﴿

:

() .

" ﴿

()" .

﴿

:

() .

﴿

-
- - /
 -
 -
 -

()

() :

:

()

:

()

()

()

:

:

﴿

()

:

()

()

()

": ﴿

:

"

": ﴿

()

﴿

:

()

: ﴿

: ﴿

: ()

()

/

(:

)

(-)

: ()

()

()

()

()

()

()

: ()

١٥٤

"

١٥٤

:

()

١٥٤

:

"

"

"

:

()

"

()

١٥٤

:

()

:

()

()

()

()

()

:

()

()

:

()

:

:

() ()
() ()

() .

:

() () () ()
()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

:

()

:

()

:

()

{ : } ()

() :

()

:

:

:

ﷺ

:

" : "

: " " :

: " " :

()

" :

:

" ﷺ :

:

() ...

()

()

()

()

()

()

()

()

:

﴿ : ﴾

() .

()

:

() () ()

:

﴾ :

{ : }﴿

:

() .

()" .

" : ﴿ ﴾ .

:

-
- : ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

() .

:

()

()

:

" : ﷺ

:

()"

:

() .

" : ﷺ

:

()"

:

() .

)

()

()

/

()

()

()

()

()

()

()

()

()

: ()

:

()

()"

" :

:

()

()

:

:

()"

" :

()"

" :

()

:

()

()

١٥٩

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

()

« ﷺ »

()

()»

:

()

()

:

()

-
- ()
 - /
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

﴿

()

:

()

﴿

﴿

:

﴿

()

()

:

()

:

﴿

﴿

:

﴿

﴿

:

:

:

﴿

﴿

﴿

:

﴿

:

﴿

﴿

﴿

:

﴿

﴿

()

()

()

()

()

()

()

ﷺ

ﷺ

:

()

()

:

()

()

:

ﷺ

ﷺ

()

:

ﷺ

:

()

:

()

:

_____ : ()

()

()

:

()

()

:

()

()

الملك

:

:

:

()

:

()

()

:

()

:

:

()

()

()

()

()

- : { } { }) : { } { } { }

()

:

:

() () ()

:

() " : "

:

:

()

:

{ : }) : :

:

" : "

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

() .

()

:

:

.

.

.

.

.

.

.

.

:

.

•

•

•

•

•

•

			...
			...

			...
			...
			...
			...
			...
			...
			...

			...
			...
			...
			...
			...
			...
			...
	-		...
			...
	-		... { }

	...
	...
	...
	... ١٧٣
	... , ١٧٣
	...
	... - -
	...
	...
	...
	...
	...
	... ١٧٣
	...
	...
	... ١٧٣
	...
	... :
	... ١٧٣

	...	:
		...
	...-	- " : ...
		...

	...	- : ...

		...
		...
		...
		...
		...
	...	:
		...

	...
	...
	...
	... ٤٤٤
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...
	...

	...
	...
	... 
	
	...
	...
	...
	...
	...
	...

	...
	...
	..

. /
 .()
 . ()
 () .()
 . /
 .
 . / ()
) .()
 . / ()
) .()
 . / ()
 .() ()
 . /

. /

. /

()

. /

. /

)

. /

(

.

.

.

. /

.()

()

. /

.()

()

./

()

./

()

./

).()

./

(

).()

.()

).()

./

. () . /
 .() /
 .())
 . /)
 . /)
 () /
) .()
 . / ()
 () ()

()

/

.()

()

/

.()

()

/

. /

.

. /

. /

.()

()

. /

. /

. /

.()

/ ()

.()

() ()

/

) .()

/ (

.()

/ ()

.()

()

()

/ ()

/

/

()

/ ()

.()

()

./

()

./

./

.()

./

./

.() .() .

.

.

. /

. /

. /

.()

()

. /

.()

. /

) .()

. /

(

.()

()

./

.

.

.()

./

.()

./

.()

()

./

.

./

.

./

. / .
) ()
 . ()
) .() ()
 . ()
 .() /
) .() ()
 . / ()
 . /
) ()
 . /
) .() ()
 . / ()

) / .()

(

()

.

.()

./

./

.()

()

./

() ()

.

./

.. /

..()

.. /

()

.. /

()

.. /

.. /

..()

()

.. /

) ()

.. /

(

()

.. /

٢٠٠

.()

()

./

.()

/

()

.

./

()

./

)

.()

./

(

)

()

./

(

.()

./

٢٠١

()

./ / ()

()

./ /

.()

()

./ /

.()

./ /

.()

./ /

./ /

.()

.()

) .()

/ (

()

/

) .()

(

.()

()

.()

() ()

/

. /

/

. /

(.)

. /

. / .()

()

) .()

(

.()

./

()

./

.()

./

(

.()

()

./

.()

()

()

.()

()

)

(

/

)

.()

(

)

/

(

.()

)

(

/

.()

/

(

)

.()

/

(

)

. /

. /

)

()

. /

(

. /

) ()

.()

. /

(

()

()

)

()

. /

(

/

()

.()

./

.()

./

()

.()

() ()

./

()

./

.()

.

.()

.

.

.

.

. /

. /

.()

)

. / (

.()

. /

. /

.()

()

. /

()

. / ()

) .()

.

() .() /

.() /

) .() (/

./ /

) .() (/

) .() (/

) (/

.()

()

./

./

) .()

.()

.()

./

./

.()

()

./

.()

()

./

.()

.()

.()

/

)

www.noo-problems.com :

www.islamonline.net :

www.um-elfahem.net :

www.alwaei.com : موقع

[http://www.passia.org/meetings/ /Mousa-Al-Basit-.htm](http://www.passia.org/meetings/Mousa-Al-Basit-.htm) :

THE INVIOABILITY (GRANTING FULL PROTECTION) OF MUSLIM'S BLOOD IN ISLAMIC JURISPRUDENCE

By

Ahlan Muhammad Ahmad Adawi

Supervisor

Dr. Jamilah Abd al-Qadir al-Rifai'

ABSTRACT

This thesis is a comparative Jurisprudential thematic study of the subject of protection of Muslim's life in Islamic Jurisprudence. One of the goals of this study is to present the subject under discussion in a comparative and detailed way. It highlights the subject of protection of Muslim's life as one of the most important principles of Islam. It is a basic rule in Islam that embarrassing Islam gives protection of life. The reasons of losing this protection are studied in detail in this work as well.

This thesis consists of introduction and three chapters and conclusion. The first chapter talks about the objectives of *Shari'ah* and its kinds in general. Means of life protection in Islam are discussed in this chapter. This chapter shows that these means are of two types, namely preventive means and remedial means. The second chapter discusses the Islamic concept of '*ismat al-dam al-muslim* or 'protection of Muslim's life' and some other terms which are related to it as they were used by both early *fuqaha'* and *Muhaddithun*. Issues as, Islam as a reason for protection of life, the space of duration of '*ismah, dar al-Islam* 'territory of Islam', and '*dar al-harb* 'territory of war are also discussed in this chapter. The third chapter talks about *nawaqid al-'ismah*, these are the acts that nullify or break this protection. Some of these breakers are *hudud* crimes like, apostasy '*riddah*', adultery when it is committed by a married person '*zina al-muhsan*', piracy or unlawful warfare '*hirabah*' and rebellion '*baghy*'. Of the *qisas* crimes, the crime of intentional killing '*qatl 'amd*' is the only breaker of '*ismah*', however, the rulings of abortion and its relationship with '*ismah* is discussed in this chapter. In the last sub chapter of the third chapter of this thesis the crimes of *ta'zir* which break '*ismah* are discussed, of these are attacker or violent Muslims, Muslim spires and Muslim magicians and witches. The findings of this thesis are summarised in the conclusion.

Finally, it seems useful to add that throughout this thesis it has been clearly shown that protection of Muslim's life is one the most important objectives and

principles of Islam. It is considered as a right for every Muslim. Muslims are prohibited from breaking this protection. In certain cases this protection can be lost as a punishment of committing a crime against the life of another Muslim or Muslim community. However, it has been shown that if a Muslim loses this protection for one reason or another that could be only temporarily and it could be possessed again. This subject is very significant and interesting for those who are interested in Islamic studies and law, therefore, Islamic institutions and researchers are highly recommended to hold conferences about it in order to discuss some of its topics in details.

